एन.आई. संख्या यू.पी. हिन/2010/35590
डाक पंजी. न., मथुरा 61/2011–2013

स्वास्थ्य शिक्षा कैंसर रक्षा

मासिक समाचार पत्र(पंजीकृत)
खण्ड 1/ अंक : 009/ दिसम्बर 2011/ स्थान: मथुरा / मूल्य: 5 रुपये
संपादक : प.पू. कार्ष्णि स्वामी गुरुशरणानन्द जी महाराज

सम्पादकीयः– ''कैंसर मरीजों की जान से क्यों खेल रही सरकार'' समाचार पत्र (जागरण) में मुकेश केजरी वाल की नई दिल्ली की रपट ने ध्यान खींचा जिसमे न्होंने बताया है कि सरकार द्वारा कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम पर 732 करोड़ रूपये वित्तीय वर्ष 2011–12 में खर्च करने थे जो 7 माह बीतने के बाद भी आज तक वैसे ही पड़े है। सर से लड़ने के लिये यह त्रिस्तरीय व्यवस्था है। प्रथम चरण जागरूकता व शीघ्र निदान, द्वितीय चरण में प्रारम्भिक इलाज व तीसरे चरण मे 65 टर्शरी केन्द्रों की स्थापना।

यह विडम्बना ही है कि शंकर कैंसर संस्थान मथुरा, जैसी स्वय सेवी संस्थाये अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ बावजूद अपने सीमित साधनों के समाज के सहयोग से इस राष्ट्रीय कैंसर नियन्त्रण कार्यक्रम'' को आम जनता तक, आर्थिक संकटों से जूझते हुये तथा बिना किसी राजकीय सहायता के एड़ी चोटी का जोर लगा कर पहुँचा रही है।

शंकर कैंसर संस्थान मथुरा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश का एक मात्र कैंसर की चिकित्सा का टर्शरी केन्द्र है जो अनुदान सरकारी केन्द्र सरकार द्वारा कोबाल्ट 6 टेलीथिरेपी शीन क्रय हेतु गैर सरकारी साधनों के स्थापित हुआ है। फिर ऐसे मे अब राज्य सरकारो से प्रस्ताव नही भेजे जा रहे है। इस संस्थान का केन्द्र सरकार, टर्शरी केन्द्र का न्यू आर.सी.सी. का दर्जा देने की पहल क्यों नहीं कर रही है। जबकि ऐसा करने से सरकार का पैसा भी बचेगा साथ ही समय की भी बचत होगी। यह सरकार को असाधारण उपलब्धि भी होगी।

क्या भारत सरकार बिना राज्य सरकार की रिकमन्डेशन(सिफारिश) के शंकर कैंसर संस्थान जैसे गैर सरकारी संस्थानों को प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप/राष्ट्रीय कैंसर नियन्त्रण कार्यक्रम के तहत सीधे अनुदान देकर राष्ट्रीय कैंसर नियन्त्रण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने की पहल कर सकेगी। सच है कि राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम व राष्ट्रीय तम्बाकू नियन्त्रण कार्यक्रम से संबंधित अनुदान प्रस्ताव वर्षो से राज्य सरकार के पास अनेक वर्षों से लम्बित पड़े है।

मथुरा, राजीव भवन में सी.डी.ओ. कु. एस. मधु शालिनी आई.ए.एस. अध्यक्षता में कैंसर जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें शंकर कैंसर संस्थान मथुरा, के स्वास्थ्य शिक्षा कैंसर रक्षा विभाग की इंचार्ज सामाजिक कार्यकर्ता कैंसर की रोकथाम, प्रारम्भिक निदान के महत्व के विषय पर लोगों को समझाया। कार्यशाला में मुख्य विकास अधिकारी के अधीनस्थ विभागों के अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया।

Seven warning signals

- Change in bowel or bladder habits.
- A sore that does not heal, In the mouth Red or white patch.
- Unusual bleeding or discharge per vagina/ mouth/ rectal/ in urine.
- Thickening or lump in breast or elsewhere.
- Indigestion or difficulty in swallowing.
- Obvious change in wart or mole.
- Nagging cough or hoarseness of voice.

कैंसर शिविर : 134 लोगों का परीक्षण

झाँसी : परीक्षण करते कैंसर विशेषज्ञ। - जागरण

झाँसी : रोटरी क्लब (मेन) के तत्वावधान में पं. कृष्णचन्द्र शर्मा कन्या इन्टर कॉलेज में आयोजित निःशुल्क कैंसर परीक्षण एवं परामर्श शिविर में आज 134 लोगों का परीक्षण कर कैंसर के रोग की सम्भावनाओं का पता लगाया गया। इस दौरान नई दिल्ली से आये कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. जवाहर रिज़ू, शंकर कैंसर संस्थान मथुरा से आये डॉ. एस.के. शर्मा व डॉ. [illegible] श्रीवास्तव ने कैंसर की रोकथाम व उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सामाजिक कार्यकर्ता एवं शंकर कैंसर संस्थान मथुरा की [illegible] सुनीता शर्मा ने तम्बाकू और धूम्रपान के सेवन से होने वाले रोगों के बारे में जानकारी दी। शिविर में चिकित्सकों ने बताया कि यदि अगर कोई गाँठ अथवा घाव न भरने की शिकायत है या फिर तिल और मस्से में कोई असामान्य परिवर्तन होता है, तो चिकित्सक से अवश्य परामर्श करना चाहिये।

शिविर में अध्यक्ष [illegible] पाल शर्मा, राजेन्द्र गुप्त, मदन मोहन मिश्रा, द्वारिका प्रसाद अग्रवाल, सीताराम श्रीवास्तव, बद्रीप्रसाद अग्रवाल, अजय [illegible] श्रीवास्तव, जे.बी. वैद्य, सन्तोष सर्राफ, विष्णु जी गुप्ता, एम.एल. गुप्ता, डॉ. बी. लाल आदि उपस्थित रहे। अन्त में सचिव कुंज बिहारी गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

झाँसी : कैंसर शिविर में परीक्षण करते विशेषज्ञ। -जागरण

Name :- Minoti Dasi

Age :- 65year

Sex :- Female

Add. :- GopinathBag,Gopeswar Road,BealaKunjVrindavan

Diagnosis :- G.B. Sulcus(Oralcavity)

Treatment :-R.T. & C.T.

इस गरीब बंगाली विधवा महिला के परिवार में कोई नहीं है जिसके मुँह के कैंसर के इलाज का आधा खर्चा श्रीमती सुधा बैन पारसी बाडा सी.पी. टैंक मुम्बई ने वहन किया। इलाज (कीमोथेरोपी, रेडियोथेरोपी) आपको अनुरोध है कि इसके इलाज में अपना सहयोग व संस्थान द्वारा महिला की रेडियोथिरॉपी निःशुल्क की

हंसी से कैंसर भी हारे–:

एंडॉफिन एक ऐसा रसायन है जो दिमाग में उत्पन्न होता है। इस रसायन के द्वारा हम कई बीमारियों से लड़ सकते है। यहां तक कि कैंसर और एड्स से भी। यह सभी दर्दों को दूर करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि एंडरॉरफिन व्यक्तियों को खुश और स्वस्थ बनाता है। एंडॉरफिन शरीर में लिम्फोसाईट्स नामक सफेद ब्लड सेल्स का उत्पादन करता है जो हमारे शरीर की बीमारियों से रक्षा रकते हैं। एड्स के रोगियों में यह व्हाइट ब्लड सेल्स कम हो जाते हैं और रोगी में बीमारी से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। हम अपने शरीर में एंडॉरफिन की मात्रा इन तीन सरल तरीकों से बढ़ा सकते है।

हंसना और मुस्कुराना:- देश- विदेश में हुए कई शोध- अध्ययनों से यह बात साबित हुई है कि हंसने और मुस्कुराने से बहुत सारे एडॉरफिन उत्पन्न होते है। इसलिए आप हंसने और मुस्कुराते हुए खुशहाल जीवन व्यतीत करें।

प्रार्थना और ध्यान:- पूरी लगन और ईमानदारी से प्रार्थना और ध्यान लगाने से एंडॉरफिन पैदा होते हैं। इससे यह चलता है कि कैसे प्रार्थना से चमत्कार होते है और घातक बीमारियां भी दूर हो जाती है।

निस्वार्थ दूसरों के काम आना:- यह तीसरा तरीका है जिससे हम अपने शरीर में एंडॉरफिन की मात्रा बढ़ा सकते हैं। निस्वार्थ कार्य करने से हम खुशी व शांति प्राप्त करते हैं और यह खुशी शरीर में एंडॉरफिन उत्पन्न करती है, लेकिन जब हम स्वार्थी होकर केवल अपने बारे में सोचने लगते हैं तो एंडॉरफिन का उत्पन्न होना रूक जाता है और हम दुखी और अस्वस्थ हो जाते है।

इन तीन सरल तरीकों से एंडॉरफिन को ज्यादा से ज्यादा उत्पन्न कीजिए और सुख व शांति की भागीदार बनिए। ध्यान रखिए यह रसायन किसी लेबोरेट्री में नहीं बनाया जा सकता और न ही यह किसी दुकान में मिलता है। इसका उत्पन्न होना केवल आपके हाथ में है।

Name :- Utra Dasi

Mother :- Kirtania (Swapan Dasi)

(Shri Raman Reti Ashram Mahaban)

Age :- 65year

Sex :- Female

Diagnosis :- Ca Cervix

Treatment :-R.T. & C.T.

इस बंगाली विधवा महिला के गर्भाशय कैंसर के इलाज का खर्चा श्रीमती मोहिनी बैन,ब्रज भवन पैडर रोड,मुम्बई ने वहन किया तथा किमोथेरोपी व रेडियोथेरोपी द्वारा शंकर कैंसर संस्थान में पूर्णरूपेण निःशुल्क किया गया। यह महिला अब पूर्ण स्वस्थ है।

शंकर कैंसर संस्थान

डॉ. शीला शर्मा मैमोरियल चैरिटेबिल ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2003 में स्थापित एवं संचालित

140, मील पत्थर, मसानी दिल्ली बाईपास लिंक रोड मथुरा– 281003

सम्पर्क : Call 09412238817, 09897296804

कैंसर रोगियों की निम्न प्रकार की चिकित्सा एवं जाँचें प्रतिदिन की जाती हैं।

कीमोथैरापी	- प्रतिदिन
रेडियोथैरापी	- प्रतिदिन
एफ. एन. ए.सी.	प्रतिदिन
बोयाप्सी	प्रतिदिन
पैप टेस्ट	प्रतिदिन
कैंसर सर्जरी	पूर्व निर्धारित
अल्ट्रासाउन्ड	पूर्व निर्धारित
एण्डो स्कोपी	समयानुसार

अधिक जानकारी हेतु

सम्पर्कः कैंसर हैल्पलाइन

दूरभाषा:– 0565-6531992

:- 09412238817

:- 09897296804

गर्भाशय का कैंसरः एक गंभीर समस्या–ः

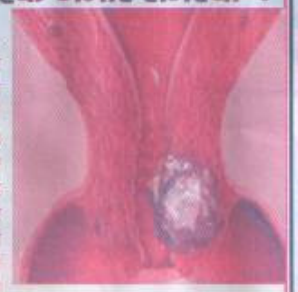

आँकड़े डराने वाले है–ः कहने की जरूरत नहीं कि इस मुद्दे को गंभीरता से लिए जाने की आवश्यकता है। एक ओर जहाँ विश्व भर में गर्भाशय कैंसर के 493000नए मामले आए है। उनमें से 27 प्रतिशत यानी 132000तो मात्र अकेले भारत में ही हैं। और अगर इससे होने वाली मौतों के आँकड़ों पर नजर डालें तो दुनिया भर में 273000 औरतें इस गंभीर बीमारी का शिकार बनती हैं, इनमें से भी 27 प्रतिशत औरतें भारत से ही होती हैं यानी 74000। यह स्पष्ट है कि इन औरतों को बचाने के लिए ज्यादा कुछ नहीं किया जा रहा है। ऐसा नहीं है कि यह रोग किसी वर्ग विशेष या आयु वर्ग तक ही सीमित है या फिर कोई अन्य किस्म का कैंसर इससे भी अधिक भारतीय स्त्रियों की जानें ले रहा है। भारत में सभी आयु वर्ग की उन महिलाओं की बात करें तो 23 किस्म के कैंसरों में से किसी न किसी प्रकार के कैंसर से ग्रस्त हैं तो उनमें भी सबसे ऊपर 26.5 प्रतिशत के साथ गर्भाशय के कैंसर का स्थान है। इसके बाद स्तन कैंसर का नाम आता है जो 165 प्रतिशत औरतों को ग्रस्त किए हुए है और काबिले गौर बात है कि लोगों के बीच गर्भाशय कैंसर के मुकाबले स्तन कैंसर की जागरूकता अधिक है।

चूंकि जागरूकता कम है इसलिए इस रोग की स्क्रीनिंग भी कम ही होती है। गौर करें इन आकड़ो पर कि प्रत्येक 3 सालों में 18 से 69 वर्ष की सभी भारतीय महिलाओं में से मात्र 2.6 प्रतिशत की ही स्क्रीनिंग हो पाती है।

इन कुल महिलाओं में से शहरी औरतें 43 तथा ग्रामीण औरतें 2.3 प्रतिशत हैं। यही वजह है कि इस वर्ष 2009 में केवल 132082 औरतों में गर्भाशय कैंसर का मालूम चला है जबकि हकीकत यह है कि हमारे देश में 15 वर्ष के अधिक उम्र की 36 करोड़ 65 लाख 60हजार औरतें इस खतरे की जद में हैं। ध्यान दें कि 74118 औरतें हर साल, इस बीमारी के कारण जिंदगी से हार जाती है। ह्यूमन पैपीलोमा वायरस या एच.पी.वी. यह वायरस है जो गर्भाशय कैंसर का सबसे प्रमुख कारण है। 99.7 प्रतिशत गर्भाशय कैंसर के मूल में यही वायरस होता है। एच.पी.वी. पर हमला करने वाली वैक्सीन ही इस कैंसर से होने वाली मौतों में कमी ला सकती है। पर इससे भी पहले है नियमित स्क्रीनिंग। विश्व स्वास्थ्य संगठन सिफारिश करता है कि वीआईएलआई (लूगोल आयोडीन के साथ विजुअल इंस्पेक्शन), वीआईए (एसिटिक एसिड के साथ विजुअल इंस्पेक्शन), एचपीवी डीएनए टेस्ट, पारंपरिक पीएपी, लिक्विड बेस्ड पीएपी, इन 5 तरीकों से स्क्रीनिंग टेस्ट किए जाएँ।

इस मुद्दे को गंभीरता से लेना होगा वरना यह बीमारी हमारे देश की औरतों पर कितनी भारी पड़ेगी, यह भविष्य के इस अनुमान से जाहिर है कि सन 2025 में गर्भाशय के कैंसर से 365 औरतों की रोजाना मौत हो सकती है। एक भारतीय परिवार में नारी की क्या अहमियत होती है, इसे देखते हुए हम इस खतरे को हल्के में नहीं ले सकते।

लेडी डॉक्टर ग्रामीण महिला रोगी का गर्भाशय कैंसर के निदान हेतु पैप टेस्ट परीक्षण करते हुये गाँव–जैंत

वैक्सीन दिलाएगी बच्चेदानी के कैंसर से छुटकारा–ः

आगराः अगर आप अपनी बिटिया को बच्चेदानी के मुह के कैंसर से बचाना चाहती हैं तो उसे वैक्सीन जरूर लगवाइए। देश में हर साल करीब एक लाख महिलाओं को बच्चेदानी के मुह का कैंसर हो रहा है। इस रोग का शिकार हजारों महिलाओं की मौत हो रही है।

पुरोकॉन कार्फ्रेस में रवि हास्पिटल में बातचीत में एम्स के वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप गर्ग के अनुसार बच्चेदानी के कैंसर की कई कारण है। यह बीमारी ह्यूमन पैपलोमा वायरस टाइप 16व 18 से होती है। बच्चेदानी के कैंसर की वजह देरी से शादी होना व कई पुरुषों से यौन संबंध का होना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अब बच्चेदानी के कैंसर से बचाव के टीके भी लगते है। जबकि बाजार में प्रति टीका करीब 1500 से 2000 रूपये के मिलते हैं। यह टीके नौ साल की उम्र की बालिकाओं को लगते हैं। इससे भविष्य में होने वाले कैंसर से बचाव हो जाता है। यह टीके शादी से पूर्व तक ही किसी युवती को लगाए जा सकते हैं। फॉग्सी के अध्यक्ष डॉ. पीसी महापात्रा के अनुसार बच्चेदानी का आपरेशन में चीर फाड़ की जरूरत नहीं पड़ती है। दैनिक जागरण, 14 नवंबर 2011

सामाजिक कार्यकर्त्ता ग्रामीण महिलाओं को आमतौर पर पाये जाने वाले स्तन व गर्भाशय कैंसर से बचाव हेतु समझाते हुये।

गत माह के समाचार

विश्व कैंसर जागरूकता दिवस 7नवम्बर पर शंकर कैंसर संस्थान, मथुरा के स्वास्थ्य शिक्षा कैंसर रक्षा विभाग में कैंसर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

जवाहर विद्यालय मथुरा में कई जनपदों से एन.सी.कैम्प में आये कैडिटो को कैंसर जागरूकता के विषय में शंकर कैंसर

गाँव–बाजना मे आउटरीच प्रोग्राम (वोलकार्ट फाउन्डेशन)

...द्यालय मथुरा में कई जनपदों से एन.सी.कैम्प में आये ...को कैंसर जागरूकता के विषय में शंकर कैंसर के सामाजिक कार्यकर्ता समझाते हुये।

गाँव–बाजना मे आउटरीच प्रोग्राम (वोलकार्ट फाउन्डेशन) द्वारा प्रायोजित के अंतर्गत ई.एन.टी. विशेषज्ञ "शंकर कैंसर संस्थान मथुरा" ... के मुंह की जाँच करते हुये क्योंकि युवाओं में गुटका, पान, सुपारी, धूम्रपान के दुष्प्रभाव के फलस्वरूप कैंसर के पूर्व प्रारंभिक परिवर्तनों का पता लगाना अति महत्वपूर्ण है।

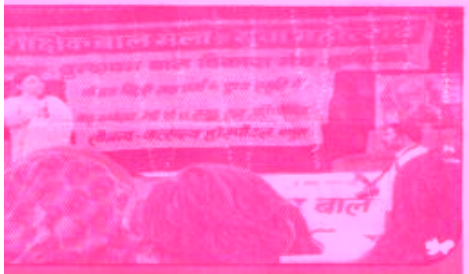

कैडिटो
संस्थान

...म्बर वृन्दावन में आयोजित शैक्षिक बाल मेला के माध्... में शंकर कैंसर संस्थान की कार्यकर्ता कैंसर रोकथाम ...कार्यशाला में।

बाल मेले में बालकों को जागरूक करने हेतु रोचक पोस्टरों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई तथा तम्बाकू दुष्प्रभाव, स्तन कैंसर आदि से संबधित जागरुकता सामिग्री निःशुल्क वितरित की गई

14,15 ...
सम्मेलन...
विषयक...

Publisher - Dr. S.K. Sharma
...of Publication - 140 mile stone Mosani-Delhi Bye Pass Link Road, Mathura
Printer - Vinod kumar chouramani
Place of Printing - Brij Printers, Budhpura, Sadar, Mathura
Owner- Dr. Sheela sharma Memorial Charitable Trust
Printed By - Brij Printers, Budhpura, Sadar, Mathura
Editor- Sonisa Sharma
... - Dr. S.K. Sharma President on behalf of Dr. Sheela Memorrial Charitable Trust

Courtesy - Volkart Foundation, Mumbai